श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति जी, मेरा दूसरा पूरक प्रश्न तो मंत्री जी के सवाल में से निकल रहा है, जो उन्होंने जवाब दिया है कि मिनिमम एक्सपोर्ट प्राइस या जब भी हम दाम घटाते हैं किसी चीज का तो केवल तब घटाते हैं जब हम अपनी चीज को प्रतियोगी बनाकर रखना चाहते हैं, कम्पटिटिव बनाकर रखना चाहते है और मंत्री जी को यह जानकारी होगी कि थाईलैण्ड 290 डॉलर प्रति मीट्रक टन से अधिक पर चावल बेच रहा है तो फिर हम लोगों को यह दाम घटाने की जरूरत क्यों पड़ी, एम. ई. पी बार बार घटाने की जरूरत क्यों पड़ी हर चार महीने के बाद ?

SHRI PRANAB MPKHERJEE : No. I do appreciate the point that we should not change it very frequently. Surely, my policy is not to change it very frequently. (*Interruptions*).

श्रीमती सुषमा स्वराज : हर चार महीने पर दाम घटाया है।

SHRI PRANAB MUKHERJEE : This has been done this year. The entire thing has to be seen. My colleague in the Food Ministry said that there should be no export of non-Basmati rice. On the other hand, farmers and others demanded that there should be some. Because of the decision to export, the domestic prices have shot up and the farmers are getting a little more than what they would otherwise get.

AN. HON. MEMBER : What about the consumers ?

SHRI PRANAB MUKHERJEE : We shall have to think about the consumers also. This is our approach. We have to think of producers, consumers and also exporters. That is why a balanced decision has to be made. But the point remains that the Minimum Export Price should not be frequently changed. The international price prevailed around 280-290 dollars per tonne and that is why our exports could get 338 dollars per tonne.

DR. JINENDRA KUMAR JAIN : I would like to ask the hon. Minister what the impact is going to be of the full convertibility of the rupee on his policies like fixing the Minimum Export Price. The very basis of the policies like fixing the Minimum Export Price is the distrust that the Government had in traders that they might not retain a part of their earnings abroad. But, now, the Finance Minister has accepted the full convertibility of the rupee even on current account. If there is full convertibility, what is the relevance of the Minimum Export Price ?

SHRI PRANAB MUKHERJEE : I am not going into the theoretical aspect of that or a discussion of that. But, when we go in the market with a new product, keeping in view the domestic interests and certain other factors, sometimes we prescribe a Minimum Export Price so that the exporters can also try hard to get higher prices. Regarding the impact of the full convertibility of the rupee on trade account, the hon. Member has seen the very macro-economic impact ; the rupee has firmed up so steadily for the last two years. (*Interruptions*).

DR. JINENDRA KUMAR JAIN : Sir, has not answered my question.

MR. CHAIRMAN : Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

बाल श्रमिकों के लिये शिक्षण केन्द्र

*165. **श्री राम सिंह राठवा** : क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने बाल श्रमिकों के लिये शिक्षण केन्द्र स्थापित करने तथा उन्हें चलाने हेतु सहायता दी है; और

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान राज्य-वार ऐसे प्रत्येक संगठन को कितनी-कितनी सहायता दी गई है और इन संगठनों के नाम क्या-क्या हैं ?

श्रम मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० ए० संगमा) : (क) जी हां।

(ख) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजनाएं (श्रम मंत्रालय द्वारा 100% वित्त पोषित)

क्र० सं०	संगठन का नाम	1991-92	1992-93	1993-94 (फरवरी 94 तक)
I.	शिवाकासी बाल श्रम परियोजना (तमिलनाडु)			
1	मदर होम आर्फनेज, शिवाकासी	48,958	1,12,875	—
2	असीफा प्लान, मदुरै	1,55,125	4,30,675	1,09,500
3	वूमेन्स वालंन्टरी सर्विस, शिवाकासी	4,03,34	4,10,058	4,22,316
4	मदुरै मल्टीपरपज सोशल सर्विस सोसाइटी, मदुरै	5,98,312	7,06,844	2,19,000
5	यूथ्स एसोसियेशन, मुथुरामार्लिगापुरम	1,18,261	1,21,777	81,781
6	अनएरजाइड यंग पीपल्स एसोसियेशन, मदुरै	6,21,303	6,10,973	7,41,600
7	गिल्ड ऑफ सर्विस, सत्तूर	4,54,381	5,22,562	3,74,266
8	यंग मेन्स क्रिश्चियन एसोसियेशन, सत्तूर	4,48,754	3,67,055	4,10,900
9	सोसाइटी फार पीपल्स एजुकेशन ऐंड एकोनामिक चेन्ज, मदुरै	2,46,046	2,09,274	82,457
10	अन्नाई थेरेसा काल्वी मुन्नेत्राक संगम शंकरापंडियापुरम	2,05,760	2,31,729	75,533
11	तमिलनाडु रूरल रिकन्सट्रक्शन मूवमेंट, मदुरै	4,08,250	3,93,512	1,72,467
12	डेवलपमेंट एक्शन फार वूमैन इन नीड विरुधूनगर	1,98,450	1,92,474	2,70,329
II.	जयपुर बाल श्रम परियोजना, राजस्थान	2,55,851	21,93,062	10,44,784
III.	मंदसौर बाल श्रम परियोजना, मध्य प्रदेश	13,11,200	7,89,002	5,97,400
IV.	मार्कपुर बाल श्रम परियोजना आंध्र प्रदेश	31,12,662	29,08,360	—
V.	मिर्जापुर-भदोही बाल श्रम परियोजना उत्तर प्रदेश			
	(i) संघ क्षेत्र विकास समिति, सेवापुरी	12,63,152	12,06,591	9,27,33

क्रम सं०	संगठन का नाम	1991–92	1992–93	1993–94 (फरवरी 94 तक)
	(ii) सेन्टर फॉर रूरल एजुकेशन ऐंड डेवलपमेंट एक्शन मिर्जापुर	12,61,055	12,92,265	10,35,543
VI.	फिरोजाबाद बाल श्रम परियोजना (इंडियन काउंसिल फार चाइल्ड वेलफेयर फॉर स्पेशल स्कूल्स, उत्तर प्रदेश)	10,41,627	12,83,078	4,98,066
VII.	अलीगढ़ बाल श्रम परियोजना (इंडियन काउंसिल फॉर चाइल्ड वेल्फेयर स्पेशल स्कूल्स) उत्तर प्रदेश	13,93,031	11,52,170	7,60,067
VIII.	मुरादाबाद बाल श्रम परियोजना (इंडियन काउंसिल आफ चाइल्ड वेल्फेयर फॉर स्पेशल स्कूल्स) उत्तर प्रदेश	–	5,01,933	4,00,000
IX.	जग्गापेट बाल श्रम परियोजना, आंध्र प्रदेश	1,15,712	49,950	2,92,134

सहायता अनुदान परियोजनायें (वित्तीय सहायता सीमा)

क्र० सं०	संगठन का नाम	1991-92	1992-93	1993-94
1	इन्स्टीट्यूट ऑफ साइकोलाजिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, कलकत्ता (बालिकाओं के लिए परियोजना) पश्चिम बंगाल	1,78,782	–	–
2	इंडियन काउंसिल ऑफ चाइल्ड वेलफेयर, नई दिल्ली (बेसहारा कामकाजी बालकों के लिये परियोजना)	61,069	94,409	–
3	कांग्रेगेशन ऑफ द सिस्टर्स ऑफ द क्रास ऑफ चावनांड, त्रिचरापल्ली, तमिअनाडु	74,700	56,757	24,900
4	इंडियन कांउसिल ऑफ चाइल्ड वेलफेयर, नई दिल्ली (मध्य प्रदेश में बीड़ी कर्मकारों के लिये परियोजना)	1,52,429	78,341	46,820
5	रूचिका स्कूल, भुवनेश्वर, उड़ीसा	1,24,029	1,23,750	41,25
6	माताचीं ट्रस्ट, बाहीकुलम, तमिलनाडु	1,02,448	78,210	–
7	विवेकानंद एजुकेशन सोसाइटी, कलकत्ता, पश्चिम बंगाल	9,238	54,703	18,475
8	इंस्टीट्यूट ऑफ साइकोलॉजिकल एंड एजुकेशनल रिसर्च, कलकत्ता) (दक्षिणी, उत्तरी और केन्द्रीय पश्चिम बंगाल	8,07,234	–	10,61,900
9	कर्नाटक स्टेट काउंसिल फॉर चाइल्ड वेलफेयर, बंगलौर, कर्नाटक	62,901	86,981	–